



18/11/84

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 571] नई दिल्ली, मंगलवार, नवम्बर 1, 1988/कार्तिक 10, 1910
No. 571] NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 1, 1988/KARTIKA 10, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 1 नवम्बर, 1988

अधिसूचना

रा. का. नि. 1053 (अ) - केन्द्रीय सरकार दादरा और नागर हवेली अधिनियम, 1961 (1961 का 35) की धारा 10 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए गोवा, दमण और दीव जमिन बिल अधिनियम, 1986 (1986 का अधिनियम सं. 9) को, अतः कि वह इस अधिसूचना की तारीख को दमण और दीव में संघ राज्य क्षेत्र को लागू है, निम्नलिखित उपायों के अधीन रहते हुए, दादरा और नागर हवेली में संघ राज्य क्षेत्र पर विस्तारित धारणी है :—

उपाय

1. अधिनियम में प्रत्येक स्थान पर, —

(अ) जब तक कि अत्राति निर्दिष्ट न हो, "सरासर" शब्द के स्थान पर "प्रणालय" शब्द रखा जाएगा और किसी ऐसे शब्द में भी जिसमें "प्रणालय" शब्द का प्रयोग किया गया है, ऐसे परिभाषित परिवर्तन किए जाएंगे जो अत्राति के नियमों द्वारा अपेक्षित हों ;

(ग) "गोवा दमण और दीव" शब्दों के स्थान पर, बिनाय उनके अलावा उनका प्रयोग विशेष नाम अधिनियमन फार्मूला और संक्षिप्त नाम में किया गया हो, "दादरा और नागर हवेली" शब्द रख जाएंगे।

2. धारा 2 में, —

(क) खंड (क) को खंड (कक) के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा और इस प्रकार पुनः संख्यांकित खंड (कक) में पूर्व निम्नलिखित खंड अंतर्भावित किया जाएगा, अर्थात :—

"(क) "प्रणालय" में संविधान के अनुच्छेद 239 के अधीन राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त दादरा और नागर हवेली में संघ राज्य क्षेत्र का प्रशासक अधिपति है ; "

(ख) खंड (ख) के पश्चात्, निम्नलिखित खंड अंतर्भावित किया जाएगा, अर्थात :—

(खख) "स्थानीय प्राधिकरण" में दादरा और नागर हवेली ग्राम पंचायत अधिनियम, 1965 (1965 का 3) के अधीन नठिन कोई ग्राम पंचायत अभिप्रेत है ; "

(ग) खंड (ग) में, "गोवा दमण और दीव सरासर" शब्दों के स्थान पर "दादरा और नागर हवेली प्रणालय" शब्द रखे जाएंगे।

3. धारा 3 में,—

- (क) "सहकारी अग्नि बल" शब्दों के स्थान पर "शहर और नागर हवेली अग्नि बल" शब्द रखे जाएंगे ;
- (ख) "सरकार द्वारा" शब्दों के स्थान पर "केंद्रीय सरकार द्वारा" शब्द रखे जाएंगे ।

4. धारा 8 में "गोवा, दमण और दीव संघ राज्य क्षेत्र की संघित निधियां" शब्दों के स्थान पर "भारत की संघित निधि" शब्द रखे जाएंगे ।

5. धारा 16 की उपधारा (2) में "सरकार" शब्द के स्थान पर "केंद्रीय सरकार" शब्द रखे जाएंगे ।

6. धारा 23 में "सरकार" शब्द के स्थान पर "केंद्रीय सरकार" शब्द रखे जाएंगे ।

उपबंध

गोवा, दमण और दीव अग्नि बल अधिनियम, 1986 (1986 का अधिनियम सं. 9) जैसा कि वह संघ राज्य क्षेत्र दादरा और नागर हवेली पर विस्तारित है

संघ राज्य क्षेत्र गोवा, दमण और दीव के लिए अग्नि बल रखने का उपबंध करने के लिए अधिनियम ।

चूंकि संघ राज्य क्षेत्र गोवा, दमण और दीव में अग्नि बल के स्थापन और ऐसा बल रखने के लिए उपबंध करना समीचीन है,

भारत गणराज्य के संसदीय वर्ष में गोवा, दमण और दीव की विधान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :—

अध्याय 1

प्रारंभिक

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारंभ :—(1) इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम गोवा, दमण और दीव अग्नि बल अधिनियम, 1986 है ।

(2) इसका विस्तार संपूर्ण दादरा और नागर हवेली संघ राज्य क्षेत्र पर है ।

(3) यह किसी क्षेत्र में उस तारीख को लागू होगा जो प्रणामक राजपत्र में अधिसूचना द्वारा नियत करे और विभिन्न क्षेत्रों और इस अधिनियम के विभिन्न उपबंधों के लिए विभिन्न तारीखें नियत की जा सकेंगी और किसी क्षेत्र या क्षेत्रों के संबंध में ऐसे उपबंधों के प्रति निर्देश का, जिसमें यह अधिनियम प्रवृत्त है, यह अर्थ लगाया जाएगा कि वह ऐसे क्षेत्र या क्षेत्रों की बाबत निर्देश है, जिसमें उपबंध लागू है ।

2. परिभाषाएं :— इस अधिनियम में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, —

- (क) "प्रणामक" से संविधान के अनुच्छेद 239 के अधीन राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया गया संघ राज्य क्षेत्र दादरा और नागर हवेली का प्रणामक अभिप्रेत है ;
- (कख) "कलक्टर" से अभिप्रेत है, जिस के राजस्व प्रणामन का मुख्य भार साधक अधिकारी और उसके अंतर्गत कार्यकारी या स्थानात्मक कलक्टर और कलक्टर के कृत्यों का निर्वहन करने वाला सरकार द्वारा नियुक्त कोई अधिकारी भी है ;
- (ख) "निदेशक/मुख्य अग्नि अधिकारी" से केंद्रीय सरकार द्वारा नियुक्त ऐसा अधिकारी अभिप्रेत है जिसे संघ राज्य क्षेत्र दादरा और नागर हवेली की अग्नि सेवा का निदेशक/मुख्य अग्नि अधिकारी नियुक्त किया गया हो ।
- (ग) "अग्नि शमन संघ" के अंतर्गत निम्नलिखित हैं :—
- (i) ऐसी भूमि और इमारतें जिनका प्रयोग अग्नि स्टेशन के लिए किया जाए ।

(ii) अग्नि शमन के संबंध में प्रयुक्त भंडारण और परिवहन के अग्नि वाहन ;

(iii) अग्नि शमन के संबंध में प्रयुक्त भंडारण और परिवहन के अग्नि वाहन ;

(iv) वस्त्रों और रोक ब्रेक ;

(घ) "अग्नि स्टेशन" से कोई ऐसी जमीन या स्थान अभिप्रेत है जिसे प्रणामक ने बिलिटेड रूप में साधारणतया या विशेष रूप से अग्नि स्टेशन घोषित किया हो ।

(ङ) "अग्नि बल" से इस अधिनियम के अधीन रखा गया दादरा और नागर हवेली अग्नि बल अभिप्रेत है ;

(ङङ) "स्थानीय अधिकारी" से दादरा और नागर हवेली ग्राम पंचायत विनियमन, 1965 (1965 का 3) के अधीन गठित ग्राम पंचायत अभिप्रेत है ;

(च) अग्नि स्टेशन के "भार साधक अधिकारी" के अंतर्गत स्टेशन पर उपस्थित ऐसा अग्नि अधिकारी भी है जो स्टेशन पर भार साधक अधिकारी की अनुपस्थिति में या बीमारी या अन्य किसी कारण से उसके द्वारा कर्तव्य पालन किए जाने से अग्रमर्थ होने की दशा में स्टेशन पर मौजूद हो और जो ऐसे अधिकारी से पंक्ति में ठीक नीचे का हो ।

(छ) "राजपत्र" से दादरा और नागर हवेली प्रणामन का राजपत्र अभिप्रेत है ।

(ज) "विहित" से उन अधिनियम के अधीन बनाए गए नियमों द्वारा विहित अभिप्रेत है ।

3. अग्नि बल अनुसूचना :—केंद्रीय सरकार ऐसे स्थानीय क्षेत्रों में, जिनमें यह अधिनियम प्रवृत्त है, एक अग्नि बल रखेगी जिसका नाम दादरा और नागर हवेली अग्नि बल होगा ।

4. अग्नि बल का अधीक्षण और नियंत्रण :—

(1) अग्नि बल का अधीक्षण और नियंत्रण निदेशक मुख्य अग्नि अधिकारी में निहित होगा और वह उसका संभालन इस अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबन्धों के अनुसार करेगा ।

(2) प्रणामक किसी ऐसे अधिकारी को, जिस यह उचित समझे, निदेशक/मुख्य अग्नि अधिकारी के कर्तव्यों के निर्वहन में सहायता करने के लिए नियुक्त कर सकेगा ।

5. अग्नि बल के सदस्यों की नियुक्ति :—निदेशक मुख्य अग्नि अधिकारी या अग्नि सेवा का कोई ऐसा अग्र्य अधिकारी, जिसे प्रणामक इस निमित्त प्राधिकृत करे, इस अधिनियम के अधीन बनाए गए नियमों के अनुसार अग्नि बल के सदस्यों की नियुक्ति करेगा ।

6. अग्नि बल के सदस्यों को प्रमाणपत्र जारी करना :—(1) प्रत्येक ऐसा व्यक्ति जिसको अग्नि बल में नियुक्ति की गई हो, निदेशक/मुख्य अग्नि अधिकारी जिसे इस निमित्त प्रणामक द्वारा प्राधिकृत किया गया हो, को मुद्रा के अधीन विहित प्रकृत में एक प्रमाणपत्र प्राप्त करेगा और ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त करने के पश्चात् ऐसे व्यक्ति को इस अधिनियम के अधीन अग्नि बल के सदस्यों की शक्तियां, कृत्य और विशेष अधिकार प्राप्त हो जाएंगे ।

(2) उपधारा (1) में निहित प्रमाणपत्र उदा समझ प्रभावी नहीं रहेगा जब उसमें नामित व्यक्ति किसी कारण से अग्नि बल का सदस्य नहीं रह जाता है और उसके ऐसा सदस्य न रहने की दशा में वह इस प्रमाणपत्र को उसे प्राप्त करने के लिए सक्षम किसी अधिकारी को लौटा देगा/लीटा देगी ।

(3) निलम्बन के दौरान, अग्नि बल के किसी सदस्य में निहित शक्तियाँ, कृत्य और विशेषाधिकार प्राप्तचित रहें किन्तु ऐसे सदस्य ऐसे अनुशासन और शास्त्रियों के दायित्वाधीन रहें माना उमे/उन्हें निलंबित किया ही नहीं गया था।

7. सहायक अग्नि बल:—जब प्रशासक को यह प्रतीत हो कि सेवाओं को और अधिक क्षमताशी बनाने की आवश्यकता है तो वह ऐसे क्षेत्रों से और ऐसे निबन्धनों और शर्तों के अधीन, जैसा वह उचित समझे, स्वयं सेवाओं के नियोजन द्वारा सहायक अग्नि बल बना सकेगा।

(2) ऐसा प्रत्येक स्वयं सेवक विहित प्रणाली में एक प्रमाण पत्र प्राप्त करेगा और उसे वही शक्तियाँ और संरक्षण प्राप्त होगा और वह ऐसे सभी कर्तव्यों और शास्त्रियों के दायित्वाधीन होगा और ऐसे प्राधिकारियों के अधीनस्थ होगा जिन प्रकार सामान्य अग्नि बल का सदस्य होता।

8. अग्नि बल पर व्यवस्था:—अग्नि बल के संबंध में संपूर्ण व्यवस्था को भारतीय संविधान विधि में पुरा किया जाएगा।

अध्याय 2

प्रशासक, निदेशक/मुख्य अग्नि अधिकारी और बल के सदस्यों की शक्तियाँ।

9. आदेश करने की प्रशासक की शक्तियाँ:—प्रशासक समय-समय पर निम्नलिखित के लिए ऐसे सामान्य या विशेष आदेश कर सकेगा जो वह उचित समझे—

(क) ऐसे साधनों और उपकरण सहित सेवाओं की व्यवस्था करना, जिसे वह उचित समझे;

(ख) जल के पर्याप्त प्रदाय की व्यवस्था करना और यह सुनिश्चित करना कि वह उपयोग के लिए उपलब्ध होगा।

(ग) स्टेशनों के निर्माण या उनकी व्यवस्था करने या अग्नि बल के सदस्यों के आवास के लिए किराण पर ली जाने वाली जगह की व्यवस्था करने और इसके साथ-साथ अग्नि शासक साधनों की व्यवस्था करने के लिए;

(घ) उन व्यक्तियों को इनाम देने के लिए जिन्होंने अग्नि की सूचना दी है और उन व्यक्तियों को भी इनाम देने के लिए जिन्होंने प्राण लगाने पर अग्नि बल को प्राण 26 के अधीन उसके कर्तव्यों के निर्वहन में प्रभावशाली सेवाएं प्रदान की हैं।

(ङ) ऐसे व्यक्तियों को प्रतिकर देने के लिए जिन्होंने दुर्घटना की दशा में अग्नि बल को प्रभावशाली सेवाएं प्रदान की है या ऐसे व्यक्तियों के जिनकी मृत्यु उस समय हुई जिस समय वे अग्नि बल की कर्तव्यों के निर्वहन में सहायता कर रहे थे, आश्रितों को प्रतिकर देने के लिए।

(च) अग्नि बल के सदस्यों के प्रशिक्षण, अनुशासन और सवाचार के लिए;

(छ) अग्नि का अनाम मिलने ही आवश्यक साधनों और उपकरण सहित अग्नि बल के सदस्यों को सुरक्षित तहजिर कराने के लिए;

(ज) उस क्षेत्र की सीमा से परे, जिसमें यह अधिनियम प्रवृत्त है, ऐसी सीमा के आस-पास में अग्नि शासन के प्रयोजन के लिए साधनों और उपकरण सहित अग्नि बल के सदस्यों को भेजने के लिए;

(झ) अग्नि बल के सदस्यों का किसी वजह, उद्धरण या किसी अन्य ऐसे कार्य के लिए नियोजन;

(ञ) निदेशक/मुख्य अग्नि अधिकारी की शक्तियों, कर्तव्यों और कृत्यों का विनियमन और नियंत्रण करने के लिए;

(ट) अग्नि बल को सामान्यतया रक्षित बनाए रखने के लिए;

10. प्राण लगाने की दशा में अग्नि बल के सदस्यों की शक्तियाँ:—

(1) किसी ऐसे क्षेत्र में प्राण लगाने की दशा में जहाँ अधिनियम प्रवृत्त है, अग्नि बल का कोई भी ऐसा सदस्य जो अग्नि शासक मंत्रिका का भार साधक है स्थल पर,—

(क) किसी भी ऐसे व्यक्ति को जिसके वहाँ रहने से प्राण नुकसान या जीवन या संपत्ति को बचाने की संक्रिया में कोई हस्तक्षेप हो या बाधा पड़े, हटा सकेगा या अग्नि बल के सदस्य को उसे हटाने का आदेश दे सकेगा;

(ख) किसी ऐसी सड़क या मार्ग को, जो ऐसे स्थान के पास हो जहाँ प्राण लगी हुई है, बंद कर सकेगा;

(ग) प्राण नुकसान के प्रयोजन के लिए होड़ या साधित को गुजारने के लिए किसी भी परिहार में उसे तोड़ कर या उसमें से गुजर कर या उसे डाँक कर खंडित जा सकेगा या ऐसा करवा सकेगा किन्तु ऐसा करने समय यथासंभव कम से कम नुकसान होना चाहिए।

(घ) क्षेत्र में जल प्रवाह के भार साधक प्राधिकारी से यह अपेक्षा कर सकेगा कि वह जल साधनों का दम प्रकार विनियमन करे कि उस स्थान पर, जहाँ प्राण भड़क उठी है, जल का विनि-विष्ट बनाव हो या वह किसी ऐसी अवधारणा, होड़, कुण्ड या टैंक या जल के उपलब्ध किसी अन्य स्रोत का, भेदे ही वह सार्वजनिक हो या निजी, प्राण नुकसान के प्रयोजन के लिए या ऐसी प्राण को फैलने से रोकने के लिए, उपयोग कर सकेगा।

(ङ) व्यक्तियों के ऐसे जमाव को हितर-वितर करने के लिए जिससे अग्नि शासक मंत्रिका में बाधा पड़ने की संभावना हो, ऐसी शक्तियों का प्रयोग कर सकेगा मानो वह किसी धाने का भार साधक प्राधिकारी हो और वह कि ऐसा जमाव विविधिरुद्ध जमाव हो और इसके साथ-साथ वह ऐसी उम्मुक्ति और संरक्षण का हकदार होगा जो ऐसी शक्तियों के प्रयोग की बाबत किसी अधिकारी को प्राप्त होगा;

(च) सामान्यतया ऐसे उपाय करेगा जो प्राण नुकसान के लिए या जीवन और संपत्ति की रक्षा करने के लिए उसे आवश्यक प्रतीत हो।

(2) प्राण के समय अग्नि बल के सदस्यों द्वारा अपने कर्तव्यों का सम्यक रूप से निर्वहन करते समय हुई किसी नुकसानी को प्राण के भिन्न-बीम को किसी पाक्षिकी के अर्थात् अग्नि द्वारा हुई नुकसानी समझा जाएगा।

11. जल प्रदाय की व्यवस्था करने की निदेशक/मुख्य अग्नि अधिकारी की शक्तियाँ:—निदेशक/मुख्य अग्नि अधिकारी सरकार के पूर्व अनु-मोदन से प्राण की दशा में जल के पर्याप्त प्रदाय को सुनिश्चित करने के लिए संशय संकलित ऐसे अनुबंधों द्वारा या अन्यथा, जैसा करार में विनिर्दिष्ट किया जाए, किसी भी क्षेत्र में जल प्रदाय के भार साधक प्राधिकारी के साथ करार कर सकेगा।

12. सहायता के लिए करार करने की निदेशक/मुख्य अग्नि अधिकारी की शक्तियाँ:—निदेशक/मुख्य अग्नि अधिकारी सरकार के पूर्व अनु-मोदन से किसी भी ऐसे व्यक्ति के साथ करार कर सकेगा जिससे अग्नि शासन के प्रयोजन के लिए कामिक नियोजित किए हुए हैं या उसने ऐसे

उपस्कर रखे हुए है ताकि रंदाय से संबंधित ऐसे अनुबंधों द्वारा या अन्यथा, जैसा कि व्यवस्थाओं द्वारा या उनके अधीन उपबंधित है, किसी भी ऐसे क्षेत्र में जिनमें यह अधिनियम प्रवृत्त है, अग्नि से निपटने के प्रयोजन के लिए कामियों या उपस्कर या किसी अन्य सहायक को सुनिश्चित किया जा सके।

13. निवारण उपाय: (1) प्रशासक राजपत्र में अधिसूचना द्वारा किसी भी क्षेत्र में या प्रयोग में लाए गए परिवारों के किसी ऐसे वर्ग के परिवारों के स्वामियों या अधिमोक्तियों से ऐसी पूर्वावधानि बनाने की अपेक्षा कर सकेगा जैसा कि ऐसी अधिसूचना में विनिर्दिष्ट किया जाए।

(2) जहाँ उपनियम (1) के अधीन सूचना जारी की गई हो वहाँ निदेशक/मुख्य अग्नि अधिकारी या इस निम्न प्रशासक द्वारा प्राधिकृत अग्नि बल के किसी अधिकारी द्वारा ऐसे संपूर्ण माल को वहाँ से हटा कर जिससे अग्नि का खतरा हो सकता है सुरक्षित स्थान पर ले जाना विधि पूर्ण होगा और स्वामी या अधिमोक्तों के ऐसा न करने पर निदेशक/मुख्य अग्नि अधिकारी या कोई ऐसा अधिकारी स्वामी या अधिमोक्तों को अग्र्यावेदन करने का व्यक्तिगत अवसर देने के पश्चात् ऐसा संपूर्ण माल प्रविष्टीकृत कर सकेगा, निरुद्ध कर सकेगा या हटा सकेगा।

अध्याय 3

अग्नि शमन संपत्ति का अर्जन

14. अग्नि शमन के संपत्ति के अंतरण के विरुद्ध प्रतिषेध: किसी भी ऐसे क्षेत्र का जिनमें यह अधिनियम प्रवृत्त है, कोई स्थानीय प्राधिकारी अग्नि शमन संपत्ति को प्रशासक की पूर्वावधानि के बिना न तो अंतरित करेगा और न ही उसे भ्रमण करेगा।

15. अग्नि शमन संपत्ति का अधिग्रहण: (1) निदेशक/मुख्य अग्नि अधिकारी, जो अग्नि शमन संपत्ति का भार साधक अधिकारी है, किसी क्षेत्र में आग बुझाने के प्रयोजन के लिए यदि उसकी राय में ऐसा करना आवश्यक है, तो वह किसी स्थानीय प्राधिकारी या किसी संस्था या व्यक्ति के कब्जे में किसी अग्नि शमन संपत्ति का अधिग्रहण और कब्जा कर सकेगा।

(2) अग्नि शमन संपत्ति पूरी होने के पश्चात्, यथास्थिति, निदेशक/मुख्य अग्नि अधिकारी या अग्नि शमन संपत्ति का भार साधक अधिकारी यथाशीघ्र उपधारा (1) के अधीन कब्जे में ली गई संपत्ति को मुक्त कर देगा और उसे उस स्थानीय प्राधिकारी, संस्था या व्यक्ति को लौटा देगा जिससे ऐसी संपत्ति कब्जे में ली गई थी।

(3) जहाँ किसी अग्नि शमन संपत्ति का उपधारा (1) के अधीन अधिग्रहण किया गया है वहाँ ऐसी संपत्ति के स्वामी को ऐसी रकम का प्रतिकर संवस किया जाएगा जिसका अवधारण इसमें दिए गए विधियों के अनुसार किया जाए, अर्थात्—

(क) जहाँ प्रतिकर की रकम निदेशक/मुख्य अग्नि अधिकारी और अग्नि शमन संपत्ति के स्वामी के बीच करार द्वारा नियत की जा सके वहाँ उसका संदाय ऐसे करार के अनुसार किया जाएगा;

(ख) जहाँ ऐसा कोई करार न किया जा सके वहाँ निदेशक/मुख्य अग्नि अधिकारी इस मानने की ऐसे मजिस्ट्रेट के पास निर्देशित करेगा, जिसको उस क्षेत्र में अधिकारिता प्राप्त हो जिसमें अग्नि शमन संपत्ति ली गई थी, और मजिस्ट्रेट पक्षकारों और ऐसे अन्य व्यक्तियों की सुनवाई के पश्चात्, जैसा वह आवश्यक समझे, उस किराए को हिसाब में लेकर प्रतिकर की रकम नियत करेगा जो अग्नि शमन संपत्ति से सामान्यतया प्राप्त होती यदि उसे ऐसे ही प्रयोजन के लिए किराए पर दिया जाता। प्रतिकर की रकम नियत करने का मजिस्ट्रेट का आदेश अंतिम होगा।

16. अग्नि शमन संपत्ति का अर्जन: (1) यदि, ऐसी जोष और तैयारी के पश्चात्, जो वह उचित समझे और स्थानीय प्राधिकारी को ऐसी अग्र्यावेदन करने का अवसर देने के पश्चात् प्रशासक को यह राय हो कि अग्नि शमन कामियों और स्थानीय प्राधिकारी द्वारा अनुरक्षित उपस्कर की खता क्षेत्र की सामान्य अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है तो प्रशासक राजपत्र में इन आशय की सूचना प्रकाशित करके स्थानीय प्राधिकारी को अग्नि शमन संपत्ति को अर्जित कर सकेगा कि प्रशासक ने प्रतिकर के संदाय पर ऐसी संपत्ति अर्जित करने का विनिश्चय किया है ऐसी सूचना को एक प्रति की तामील स्थानीय प्राधिकारी पर भी की जाएगी।

(2) जब उपर्युक्त सूचना राजपत्र में प्रकाशित कर दी जाए तो ऐसी सूचना से विनिर्दिष्ट संपत्ति उस तारीख से ही जिस तारीख को ऐसी सूचना प्रकाशित हुई है अत्यधिक कम से केन्द्रीय सरकार में निहित हो जाएगी और वह सभी विवेकपूर्ण से मुक्त होगी।

17. प्रतिकर अवधारण करने के विधियाँ और पद्धति: (1) निदेशक/मुख्य अग्नि अधिकारी या प्रशासक द्वारा प्राधिकृत कोई अधिकारी धारा 16 की उपधारा (1) के अधीन सूचना के प्रकाशन के पश्चात् यथाशीघ्र अग्नि शमन संपत्ति की संबंधित सूचना के प्रकाशन की तारीख को संपत्ति के मूल्य के आधार पर, अर्थात् उस कीमत पर जो उसे खूने बाजार में मिलती यदि उसे उस तारीख को बेचा जाता संदेष्ट प्रतिकर की रकम का अवधारण करेगा परंतु प्रतिकर की रकम का अवधारण करने से पूर्व निदेशक/मुख्य अग्नि अधिकारी या अग्नि अधिकारी स्थानीय प्राधिकारी का यह कथन करने का अवसर देगा कि उसकी राय में उचित प्रतिकर क्या होगा।

(2) यथास्थिति निदेशक/मुख्य अग्नि अधिकारी या अग्नि अधिकारी संदेष्ट प्रतिकर की रकम का अवधारण करने के पश्चात् स्थानीय प्राधिकारी को इस प्रकार अवधारित प्रतिकर की रकम की सूचना देगा।

18. न्यायालय को निर्देश: यदि स्थानीय प्राधिकारी इस प्रकार अवधारित रकम को स्वीकार करने के लिए राजी हो जाता है तो उसे ऐसे करार के अनुसार संवस किया जाएगा अन्यथा निदेशक/मुख्य अग्नि अधिकारी या अग्नि अधिकारी, जैसी भी स्थिति हो, उस मामले को उन न्यायालय को निर्देशित करेगा जिसे उस क्षेत्र के संबंध में अधिकारिता प्राप्त हो जिसमें संपत्ति स्थित है और न्यायालय दोनों पक्षकारों और अन्य ऐसे व्यक्तियों की बिन्हे वह आवश्यक समझे, सुनवाई करने के पश्चात् प्रतिकर की ऐसी रकम का अवधारण करेगा जो उसे न्याय संगत प्रतीत हो और प्रतिकर की रकम नियत करने समय न्यायालय धारा 16 की उपधारा (1) में निर्दिष्ट सूचना जारी करने की तारीख पर संपत्ति के बाजार मूल्य को ध्यान में रखेगा।

19. जहाँ प्रशासक या स्थानीय प्राधिकारी धारा 18 के अधीन न्यायालय के विनिश्चय से व्यथित हो तो वह ऐसे विनिश्चय की तारीख से तीनों दिन के भीतर उच्च न्यायालय को अपील कर सकेगा।

अध्याय 4

शान्तियाँ

20. कसब्य आदि के अतिक्रमण के लिए शान्ति:—

अग्नि बल का कोई सदस्य जो—

(क) कसब्य के अतिक्रमण या इस अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए किसी नियम या आदेश के किसी उपबंध के जान-बूझकर किए गए भंग का दोषी पाया जाता है; या

(ख) कसब्य का दोषी पाया जाता है; या

(ग) अनुशा के बिना या कम से कम दो मान को पूर्व सूचना दिए बिना अपने पथ से हट जाता है या त्यागपत्र दे देता है; या

(ग) छुट्टी पर अनुपस्थित रहने के पश्चात् एसी छुट्टी के अवसान पर युक्तिपूर्ण कारण दिए बिना कार्यभार संभालने में असमर्थ रहता है; या

(क) धारा 24 के उपबंधों के उल्लंघन में किसी अन्य नियोजन या पद को स्थगित कर लेता है।

ऐसे कारावास से, जिसकी अवधि तीन मास तक की हो सकेगी या जुर्माने से जो ऐसी रकम तक हो सकेगी जो ऐसे सदस्य के तीन मास के वेतन से अधिक न हो, या दोनों से, दंडनीय होगा।

21. पूर्वावधानी लेना: कोई भी व्यक्ति जो धारा 13 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई अधिसूचना में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं या उस धारा की उपधारा (2) के अधीन जारी किए गए किसी निषेध का अनुपालन किसी युक्तिपूर्ण कारण के बिना नहीं कर पाता है तो वह एक हजार रुपए तक के जुर्माने से दंडनीय होगा।

22. अग्नि आग्निक संक्रिया में जानबूझकर बाधा डालने के लिए दंड: ऐसा कोई भी व्यक्ति जो जानबूझकर अग्नि बल के किसी ऐसे सदस्य के काम में, जो अग्नि जमान संक्रिया में लगा हुआ है, जानबूझकर बाधा डालता है या हस्तक्षेप करता है, ऐसे कारावास से, जिसकी अवधि तीन मास तक की हो सकेगी या जुर्माने से जो एक हजार रु. तक हो सकेगी या दोनों में दंडनीय होगा।

अध्याय 5

साधारण और प्राचीन

23. प्रशिक्षण केन्द्र: प्रशासक आग को रोकने या उसे बुझाने के पाठ्यक्रम का उपबंध करने के लिए क्षेत्र में एक या एक से अधिक प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित और अनुरक्षित कर सकेगा और ऐसे केन्द्रों को बढ़ा कर सकेगा या उन्हें फिर से स्थापित कर सकेगा।

24. अन्य नियोजन का वर्णन: अग्नि बल का कोई भी सदस्य इस अधिनियम के अधीन अपने कर्तव्यों से विचरित भी पद पर अपने अधिकारी नियोजित नहीं करेगा जब तक कि निदेशक/मुख्य अग्नि अधिकारी ने उसे ऐसा करने की स्पष्ट रूप से अनुज्ञा न दे दी हो।

25. अन्य क्षेत्र में अंतरण:— निदेशक/मुख्य अग्नि अधिकारी या इस निमित्त प्रशासक द्वारा प्राधिकृत कोई अधिकारी आग लगने पर या किसी अन्य आपात स्थिति में किसी आसपास के ऐसे क्षेत्र में, जिसमें यह अधिनियम प्रवृत्त नहीं है, आवश्यक साधन और उपकरण सहित अग्नि बल के सदस्यों को ऐसे क्षेत्र में अग्नि जमान संक्रिया को कार्यान्वित करने के लिए भेज सकेगा और ऐसा होने पर इस अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के सभी उपबंध ऐसी अग्नि या आग-अवधि के दौरान या ऐसी अवधि के दौरान, जो निदेशक/मुख्य अग्नि अधिकारी विनिर्दिष्ट करे, लागू होंगे।

26. अन्य कर्मियों के लिए नियोजन:— प्रशासक या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी के लिए अग्नि बल को किसी ऐसे अखात्र, उद्धारण या अन्य कार्य के लिए नियोजित करना विधिपूर्ण होगा जिसके लिए वह अपने प्रशिक्षण, साधन और उपकरण के कारण उपयुक्त है।

27. संपत्ति के स्वामी का अधिकार संभलाने का वाक्य:— (1) कोई भी ऐसा व्यक्ति जिसकी संपत्ति को उसकी या उसके अधिकारों की जानबूझकर या उपेक्षा से की गई किसी कार्रवाई के कारण आग पकड़ लेती है तो वह किसी अन्य ऐसे व्यक्ति को प्रतिफल संभलाने के दायित्वाधीन होगा जिसकी संपत्ति को इस अधिनियम की धारा 10 के अधीन उसमें उल्लिखित किसी अधिकारी या ऐसे अधिकारी के प्राधिकार के अधीन कार्यरत किसी व्यक्ति की किसी कार्रवाई के कारण इसकी संपत्ति को नुकसान पहुंचता है।

(2) उपधारा (1) के अधीन सभी बातों की उस तारीख से तीन दिन के भीतर, जब नुकसानी कारित हुई हो, उपधारा (1) के अधीन कलक्टर को निर्दिष्ट किया जाएगा।

(3) कलक्टर पक्षकारों को मुनवाई का अवसर देने के पश्चात् देय प्रतिफल की रकम अवधारित करेगा और ऐसी रकम और उस व्यक्ति का जो उसके लिए दायित्वाधीन होगा, उल्लेख करते हुए आदेश पारित करेगा। इस प्रकार पारित किए हुए आदेश में सिविल न्यायालय की किसी बिन्नी का बल होगा और उसके विरुद्ध ऐसे जिला न्यायाधीश की अपील की जा सकेगी जिसे उस क्षेत्र के संबंध में जिनमें संपत्ति स्थित है, अधिकारिता प्राप्त हो।

28. आग लगने के कारण की जांच और उसकी सरकार की रिपोर्ट: जहां कोई आग ऐसे क्षेत्र में लगी हो जिसमें अधिनियम प्रवृत्त है, कलक्टर, निदेशक/मुख्य अग्नि अधिकारी के परामर्श से यह अधिनियमित करेगा कि आग कहाँ से शुरू हुई और उसका कारण क्या था और उसकी रिपोर्ट प्रशासक को भेजेगा।

29. जानकारी अभिप्राय करने की शक्ति:— अग्नि बल का कोई भी अधिकारी जो किसी अग्नि स्टेशन के भार साधक अधिकारी की पंक्ति से नीचे का न हो इस अधिनियम के अधीन अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के प्रयोजन के लिए किसी इमारत या अन्य संपत्ति के स्वामी या अभिभोगी से यह अपेक्षा कर सकेगा कि वह ऐसी इमारत तथा अन्य संपत्ति की प्रकृति, उपस्थिति, अवस्था और वहां तक पहुंचने के साधनों से संबंधित जानकारी और अन्य तारिख विनिर्दिष्टों में और ऐसा स्वामी या अभिभोगी अपने कर्तव्यों में सभी जानकारी उसे देगा।

30. प्रवेश की शक्ति:— (1) निदेशक/मुख्य अग्नि अधिकारी या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत अग्नि बल का कोई सदस्य किसी अधिसूचना में विनिर्दिष्ट स्थानों में से किसी भी स्थान पर यह अवधारित करने के प्रयोजन के लिए प्रवेश कर सकेगा कि ऐसे स्थानों के लिए अपेक्षित अग्नि के विरुद्ध पूर्वावधानी बरती गई है या नहीं।

इस अधिनियम में अन्यथा अधिप्रेषण रूप में उपबंधित के सिवाय उपधारा (1) के अधीन किए गए किसी प्रवेश से आवश्यक रूप से कारित किसी नुकसानी के लिए किसी व्यक्ति के विरुद्ध प्रतिफल का दावा नहीं किया जा सकेगा।

31. उपयोग में लाया गया जल:— अग्नि बल द्वारा अग्नि जमान संक्रिया में उपयोग में लाए गए जल के लिए कोई भी स्थानीय प्राधिकारी कोई प्रसार नहीं लेगा।

32. जल प्रदाय में किसी विघ्न के लिए कोई प्रतिफल नहीं दिया जाएगा:— किसी क्षेत्र में जल प्रदाय का भार साधक अधिकारी धारा 10 के खंड (घ) में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के किसी प्राधिकारी द्वारा अनुपालन के कारण जल प्रदाय में हुए किसी विघ्न से कारित नुकसानी के लिए प्रतिफल का दावा करने के लिए दायी नहीं होगा।

33. पुलिस अधिकारियों की सहायता:— सभी पंक्तियों के पुलिस अधिकारियों का यह कर्तव्य होगा कि वे अग्नि बल के सदस्यों की उनके इस अधिनियम के अधीन कर्तव्यों के निर्वहन में सहायता करें।

34. क्षतिपूर्ति:— सदभावपूर्वक की गई किसी बात या इस अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए किसी नियम या किए गए किसी आदेश के अनुसरण में किए जाने के लिए आशयित किसी आग के लिए किसी व्यक्ति के विरुद्ध कोई बाद अभियोजन या अन्य विधिक कार्यवाहियां नहीं की जा सकेंगी।

35. नियम बनाने की शक्तियां:— (1) प्रशासक राजपत्र में अधिसूचना द्वारा इस अधिनियम के प्रयोजनों को कार्यान्वित करने के लिए नियम बना सकेगा।

(2) विशेषकर और पूर्ववर्ती शक्तियों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, ऐसे नियमों में निम्नलिखित को लिए उपबंध किया जा सकेगा :—

- (क) अधिकारियों और अग्नि बल के सदस्यों की श्रेणियों की संख्या ;
- (ख) अग्नि बल के सदस्यों की नियुक्ति की रीति ;
- (ग) अग्नि बल के सदस्यों को जारी किए जाने वाले प्रमाणपत्र का प्रारूप ;
- (घ) अग्नि बल के सदस्यों की सेवा शर्तें, जिनके अंतर्गत उनकी पंक्तियाँ, वेतन और छुट्टी, कार्य समय और छुट्टी, अनुपस्थित बनाए रखना और सेवा से हटाया भी है ;
- (ङ) वे परिस्थितियाँ और शर्तें जिनमें और जिनके होते हुए अग्नि बल के सदस्यों को उस क्षेत्र की सीमा से परे, जिनमें यह अधिनियम प्रवृत्त है, अग्नि शमन संक्रियाओं को कार्यान्वित करने के लिए भेजा जा सकेगा ;
- (च) वे शर्तें जिनके अधीन रहते हुए अग्नि बल के सदस्यों को बचाव उद्धारण या अन्य कार्य के लिए नियोजित किया जा सकेगा ;
- (छ) इस अधिनियम के अधीन सूचना की तामील की रीति ;
- (ज) ऐसे व्यक्तियों को इनाम या शक्ति का संदाय जो अग्नि बल के सदस्य नहीं हैं किन्तु वे धारा 9 के खंड (घ) या खंड (ङ) के अधीन सेवा प्रदान करते हैं ;
- (झ) पुर्बटना की दशा में अग्नि बल सदस्यों को या कर्तव्य रूढ़ रहते हुए मृत्यु की दशा में उनके आश्रितों को संरक्ष प्रतिकर ;
- (ञ) क्षेत्र से बाहर या विदेश सेवाओं के लिए अग्नि बल के नियोजन या किसी उपस्कर का प्रयोग के लिए ; और
- (ट) कोई अन्य मामला जिसे विहित किया जाता है या विहित किया जा सकेगा ।

[न. मू. 11015/2/87-यूडीएल]
[अण्णोक नाथ, संयुक्त सचिव]

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 1st November, 1988

NOTIFICATION

G.S.R. 1053 (E).—In exercise of the powers conferred by section 10 of the Dadra and Nagar Haveli Act, 1961 (85 of 1961), the Central Government hereby extends to the Union territory of Dadra and Nagar Haveli, the Goa, Daman and Diu Fire Force Act, 1986 (Act No. 9 of 1986) as in force in the Union territory of Daman and Diu at the date of this notification, subject to the following modifications, namely :—

MODIFICATIONS

1. Throughout the Act,—

- (a) unless otherwise directed, for the word "Government", the word "Administrator" shall be substituted and there shall also be made in any sentence in which the word "Administrator" occur, such consequential changes as the rules of grammar may require;
- (b) for the words "Goa, Daman and Diu" except where they occur in the long title enacting formula and short title, the words

"Dadra and Nagar Haveli" shall be substituted.

2. In section 2,—

- (a) clause (a) shall be renumbered as clause (aa) thereof, and before the clause (aa) as so renumbered, the following clause shall be inserted, namely :—

“(a) “Administrator” means the Administrator of the Union territory of Dadra and Nagar Haveli appointed by the President under article 239 of the Constitution;”;

- (b) after clause (e), the following clause shall be inserted, namely :—

(ee) “local authority” means a Village Panchayat constituted under the Dadra and Nagar Haveli Village Panchayats Regulation, 1965 (3 of 1965) ;”;

- (c) in clause (g), for the words “Government of Goa, Daman, and Diu”, the words “Administration of Dadra and Nagar Haveli” shall be substituted.

3. In section 3,—

- (a) for the words “Government Fire Force”, the words “Dadra and Nagar Haveli Fire Force” shall be substituted ;

- (b) for the words “by Government”, the words “by the Central Government” shall be substituted.

4. In section 8, for the words “Consolidated funds of the Union territory of Goa, Daman and Diu”, the words “Consolidated fund of India” shall be substituted.

5. In section 16, in sub-section (2), for the word “Government”, the words “Central Government” shall be substituted.

6. In section 28, for the word “Government”, the words “Central Government” shall be substituted.

ANNEXURE

THE GOA, DAMAN AND DIU FIRE FORCE ACT, 1986 (ACT NO. 9 OF 1986) AS EXTENDED TO THE UNION TERRITORY OF DADRA AND NAGAR HAVELI.

An ACT to provide for the maintenance of Fire Force for the Union territory of Goa, Daman and Diu.

Whereas it is expedient to provide for the establishment and maintenance of Fire Force in the Union territory of Goa, Daman and Diu;

Be it enacted by the legislative Assembly of Goa, Daman and Diu in the Thirty-seventh year of the Republic of India as follows :—

CHAPTER I

Preliminary

1. Short title, extent and Commencement.—(1) This Act may be called the Goa, Daman and Diu Fire Force Act, 1986.

(2) It extends to the whole of the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli.

(3) It shall come into force in any area on such date as the Administrator may by notification in the Official Gazette, appoint and different dates may be appointed for different areas and different provisions of this Act and in reference to any such provisions to the area or areas in which this Act is in force shall be construed as a reference to the area or areas in which the provision is in force.

2. Definitions.—In this Act, unless the context otherwise requires,—

(a) "Administrator" means the Administrator of the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli appointed by the President under article 239 of the Constitution.

(aa) "Collector" means the Chief Officer in charge of Revenue Administration of the District and includes acting or officiating Collector and also any officer appointed by the Government to exercise the functions of the Collector;

(b) "Director|Chief Fire Officer" means the Officer appointed by the Central Government as Director|Chief Fire Officer of the Fire Service of the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli;

(c) "Fire Fighting Property" includes

(i) Lands and buildings used as Fire Stations;

(ii) Fire fighting appliances, equipment, tools, implements and things whatsoever used for fire fighting;

(iii) Motor vehicles and other means of transport used in connection with the fire fighting;

(iv) Uniforms and badges of Rank;

(d) "Fire Station" means any post or place declared generally or specially by the Administrator to be the Fire Station;

(e) "Fire Force" means the Fire Force of Dadra and Nagar Haveli maintained under this Act;

(ee) "Local Authority" means a Village Panchayat constituted under the Dadra and Nagar Haveli Village Panchayats Regulation, 1965 (3 of 1965);

(f) "officer-in-charge" of Fire Station includes, when Officer-in-charge is absent from the Station or unable from illness or other cause to perform his duties, the Fire Officer present at the Station who is next in the rank to such Officer;

(g) "Official Gazette" means the Official Gazette of the Administration of Dadra and Nagar Haveli;

(h) "prescribed" means prescribed by rules made under this Act.

3. Maintenance of Fire Force.—A Fire Force to be called as the Dadra and Nagar Haveli Fire Force shall be maintained by the Central Government for Services in the local areas in which this Act is in force.

4. Superintendence and Control of Fire Force.—

(1) Superintendence and Control of the Fire Force shall vest in the Director|Chief Fire Officer and shall be carried on by him in accordance with the provisions of this Act and of any rules made thereunder.

(2) Administrator may appoint such Officer as it may deem fit to assist the Director|Chief Fire Officer in the discharge of duties.

5. Appointment of members of Fire Force.—

The Director|Chief Fire Officer or such other Officer of the Fire Service as the Administrator may authorise in this behalf shall appoint members of the Fire Force in accordance with the rules made under this Act.

6. Issue of Certificate to Members of Fire Force.—(1) Every person shall on appointment to the Fire Force, receive a certificate in the prescribed form under seal of the Director|Chief Fire Officer authorised in this behalf by the Administrator and thereupon such person shall have powers, functions and privileges of the members of the Fire Force under this Act.

(2) The Certificate referred to in sub-section (1) shall cease to have effect when the person named therein ceases for any reason to be a member of the Fire Force and on his ceasing to be such member, he|she shall forthwith surrender the certificate to any officer empowered to receive the same.

(3) During any time of suspension, the powers, functions, privileges vested in any member of the Fire Force shall be in abeyance but such members shall continue to be subject to the same discipline and penalties as he|she would have been, if he|she had not been suspended.

7. Auxiliary Fire Force.—(1) Whenever it appears to the Administrator that it is necessary to augment the services it might raise an auxiliary Fire Force by employment of volunteers on such areas and on such terms and conditions as it may deem fit.

(2) Every such volunteer shall receive a certificate in the prescribed form, and shall have the same powers and protection and shall be liable to all such duties and penalties and be subordinate to the same authorities as member of the ordinary Fire Force.

8. Expenditure on Fire Force.—The entire expenditure in connection with Fire Force shall be met out from the consolidated fund of India.

CHAPTER II

POWERS OF ADMINISTRATOR, DIRECTOR|CHIEF FIRE OFFICER AND MEMBERS OF FORCE.

9. Powers of Administrator to make orders.—The Administrator may from time to time make such general or special orders as he deems fit—

- (a) for providing services with such appliances and equipment as he deems proper;
- (b) for providing adequate supply of water and for securing the same as it shall be available for use;
- (c) for construction or providing stations or hiring places for accommodating the members of the Fire Force and its fire fighting appliances;
- (d) for giving rewards to persons who have given notice of fire and to those who have rendered effective services to the Fire Force on the occasion of fire in the discharge of their duties under section 26;
- (e) for giving compensation to the persons who have rendered effective services to the Fire Force in case of accident or to the dependents of such persons in case of death while they were engaged in helping the Fire Force in the discharge of their duties;
- (f) for the training, discipline and good conduct of the members of the Fire Force;
- (g) for the speedy attendance of the members of the Fire Force with necessary appliances and equipment on the occasion of any alarm of fire;
- (h) for sending members of the Fire Force with appliances and equipment beyond the limit of area in which this Act is in force for the purpose of fire fighting in the neighbourhood of such limit;
- (i) for employment of the members of the Fire Force in any rescue, salvage or any other similar work;
- (j) for regulation and controlling of the powers, duties and functions of the Director|Chief Fire Officers;
- (k) Generally for the maintenance of the Fire Force in a high state of efficiency.

10. Powers of Members of Fire Force on occasion of Fire.—(1) On the occasion of fire in any area in which this Act is in force, any members of the Fire Force who is in charge of the fire fighting operation on the spot may—

- (a) remove or order any other member of the Fire Force to remove any person who by his presence, interferes with or impedes the operation for extinguishing the fire or for saving life or property;

- (b) close any street or passage in or near which the fire is burning;
- (c) for the purpose of extinguishing fire, break into or break through or pull down any premises for the passage of hose or appliance or cause them to be broken into or through or pull down doing as little damage as possible;
- (d) require the authority in charge of water supply in the area to regulate the water means so as provided water at a specified pressure at the place where fire has broken out or utilise from any steam, cistern, well or tank or from any available source of water whether public or private, for the purpose of extinguishing or limiting the spread of such fire;
- (e) exercise the same powers for dispersing an assembly of persons likely to obstruct fire fighting operation as if he is the officer-in-charge of a Public Station and as if such assembly is an unlawful assembly and shall be entitled to the same immunities and protection as such an officer in respect of the exercise of such powers;
- (f) generally take such measures as may appear to him to be necessary for extinguishing fire or for the protection of life and property.

(2) Any damage done on the occasion of fire by the members of the Fire Force in the due discharge of their duties shall be deemed to be damage by fire within the meaning of any policy of insurance against fire.

11. Powers of Director|Chief Fire Officer to make arrangement for supply of water.—The Director|Chief Fire Officer may with the previous sanction of the Government, enter into an agreement with the Authority in charge of water supply in any area for securing the adequate supply of water in case of fire on such terms as to payment or otherwise as may be specified in the agreement.

12. Powers of Director|Chief Fire Officer to enter into agreement for assistance.—The Director|Chief Fire Officer may with the previous sanction of the Government enter into agreement with any person who employs or maintains personnel or keep equipments for fire fighting purpose. To secure on such terms as to payment or otherwise as may be provided by or under the arrangements of the personnel or equipment or any other assistance for the purpose of dealing with fire in any area in which this Act is in force.

13. Preventive Measures.—(1) The Administrator may by notification in the Official Gazette require owners or occupiers of premises in any area or of any class of premises used which in its opinion are likely to cause risk of fire, to take such precautions as may be specified in such notifications.

(2) Where notification has been issued under subsection (1), it shall be lawful for the Director|Chief Fire Officer or any Officer of the Fire Force authorised by the Administrator in this behalf to direct the removal of the objects or goods likely to cause the risk of fire, to a place of safety and on failure of

the owner or occupier to do so the Director|Chief Fire Officer or any such Officer may after giving the owner or occupier a reasonable opportunity of making the representation, seize, detain or remove such objects or goods.

CHAPTER III

Acquisition of Fire Fighting Property

14. Prohibition against transfer of fire fighting property.—No local authority of any area in which this Act is in force shall transfer or otherwise part with any fire fighting property without the previous sanction of the Administrator.

15. Requisitioning of fire fighting property.—(1) The Director|Chief Fire Officer or any member of the Fire Force who is in-charge of a fire fighting operation may, if in his opinion it is necessary so to do for the purpose of extinguishing fire in any area, requisition and take possession of any fire fighting property in the possession of any local authority or any institution or individual.

(2) As soon as may be after the fire fighting operation are over, the Director|Chief Fire Officer or the member in charge of the fire fighting operation, as the case may be, shall release the property taken possession of under sub-section (1) from requisition and restore the same to the local authority institution or individual from whose possession such property was taken.

(3) Where any fire fighting property is requisitioned under sub-section (1), there shall be paid to the owner of such property compensation the amount of which shall be determined in accordance with the principles hereinafter set out, that is to say—

(a) Where the amount of compensation can be fixed by agreement between the Director|Chief Fire Officer and the owner of the fire fighting property, it shall be paid in accordance with such agreement;

(b) Where no such agreement can be reached, the Director|Chief Fire Officer shall refer the matter to the Magistrate having jurisdiction over the area in which the fire fighting property was kept and the Magistrate shall after hearing the parties and such other persons as he deems necessary, fix the amount of compensation taking in to consideration the rent which the fire fighting property would normally fetch if rented out for a similar purpose. The order of the Magistrate fixing the amount of compensation shall be final.

16. Acquisition of fire fighting property.—(1), if, after making such inquiry and investigation as it deems necessary and after giving the local authority an opportunity to make its representation, the Administrator is of opinion that the standard of efficiency of the fire fighting personnel and equipment maintained by the local authority is not adequate to meet the normal requirements of the area, the Administrator may acquire the fire fighting property of the local authority by publishing in the Official Gazette a notice to the effect that the Administrator has decided to acquire such property on payment of

compensation, a copy of such notice shall also be served on the local authority.

(2) When a notice as aforesaid is published in the Official Gazette, the property specified in such notice shall on and from the beginning of the date on which the notice is so published, vest absolutely in the Central Government free from all encumbrances.

17. Principles and method of determining compensation.—(1) The Director|Chief Fire Officer or any Officer authorised by the Administrator shall as soon as may be after the publication of the notice under sub-section (1), of section 16 determine the amount of compensation payable in respect of the fire fighting property based on the market value of the property on the date of publication of the said notice, that is to say, the price which it would have fetched in the open market if it had been sold on that date, provided that before determining the amount of compensation, the Director|Chief Fire Officer or the Officer, as the case may be, shall give the local authority an opportunity to state what in its opinion is a fair compensation.

(2) The Director|Chief Fire Officer or the Officer as the case may be, shall after determining the amount of compensation payable, give notice to the local authority of the amount of compensation so determined.

18. Reference to Court.—If the local authority agrees to accept the amount so determined, it shall be paid in accordance with such Agreement. Otherwise the Director|Chief Fire Officer or the Officer, as the case may be shall refer the matter to the court having jurisdiction over the area in which the property is situated and the court shall, after hearing the parties and such other persons as it deems necessary determine the amount of compensation, which appears to it to be just, and in fixing the amount of compensation the court shall have regard to the market value of the property on the date of issue of notice referred in sub-section (1) of section 16.

19. Appeal.—Where the Administrator or a local authority is aggrieved by the decision of the court under section 18, it may within thirty days from the date of such decision prefer an appeal to the High Court.

CHAPTER IV

PENALTIES

20. Penalty for violation of duty, etc.—

Any member of the Fire Force who,—

- (a) if found to be guilty of any violation of duty or wilful breach of any provision of this Act or any rule or order made thereunder; or
- (b) if found to be guilty of cowardice; or
- (c) withdraws from the duties of his office or resigns without permission or without having given previous notice of at least two months; or
- (d) being absent on leave fails without reasonable cause to report himself for duty on the expiration of such leave; or

(c) accepts any other employment or office in contravention of the provisions of section 24, shall be punishable with imprisonment which may extend to three months or with fine which may extend to an amount not exceeding three months pay of such member or with both.

21. Failure to take precautions.—Whoever fails without reasonable cause to comply with any of the requirements specified in notification issued under sub-section (1) of section 13 or of a direction issued under sub-section (2) of that section shall be punishable with fine which may extend to one thousand rupees.

22. Punishment for wilfully obstructing fire fighting operations.—Any person who wilfully obstructs or interferes with any member or the Fire Force who is engaged in fire fighting operations shall be punishable with imprisonment which may extend to three months or with fine which may extend to one thousand rupees or with both.

CHAPTER V

General and Miscellaneous

23. Training Centre.—The Administrator may establish and maintain one or more training Centres in the territory for providing courses of instruction in the prevention or extinguishment of fire and may close down or re-establish any such Centre.

24. Bar to other employment.—No member of the Fire Force shall engage in any employment or Office whatsoever other than his duties under this Act unless expressly permitted to do so by the Director|Chief Fire Officer.

25. Transfer to other area.—The Director|Chief Fire Officer or any Officer authorised by the Administrator in this behalf may on the occasion of a fire or other emergency in any neighbouring area in which this Act is not in force, order the despatch of the members of the Fire Force with necessary appliances and equipments to carry on fire fighting operations in such neighbouring areas and thereupon all the provisions of this Act and the rules made thereunder shall apply to such area, during the period of fire or emergency or during such period as the Director|Chief Fire Officer may specify.

26. Employment on other duties.—It shall be lawful for the Administrator or any Officer authorised by him in this behalf to employ the Fire Force to any rescue, salvage or other work for which it is suitable by reason of its training, appliances and equipments.

27. Liability of Owner of Property to pay compensation.—(1) Any person whose property catches fire on account of any action of his own or of his agent done deliberately or negligently shall be liable to pay compensation to any other person suffering damages to his property on account of any action taken under section 10 of this Act by any Officer mentioned therein or any person acting under the authority of such Officer.

(2) All claims under sub-section (1) shall be referred to the Collector within thirty days from the date when the damage was caused.

(3) The Collector shall, after giving the parties an opportunity of being heard, determine the amount of compensation due and pass an order stating such amount and the person liable for the same. The orders so passed shall have the force of a decree of a Civil Court, and shall be subject to an appeal to the District Judge having jurisdiction over the area in which the property is situated.

28. Inquiry into origin of fire and report to Government.—Where any fire has occurred within any area in which this Act is in force, the Collector shall ascertain the fact as to the origin and cause of such fire in consultation with the Director|Chief Fire Officer and shall make a report thereon to the Administrator.

29. Power to obtain information.—Any Officer of the Fire Force not below the rank of an Officer-in-Charge of a Fire Station may for the purpose of discharging his duties under this Act, require the owner or occupier of any building or other property to supply information with respect to the character of such building or other property, the available water supplies and the means of access thereto and other material particulars and such owner or occupier shall furnish all the information in his possession.

30. Power of entry.—(1) The Director|Chief Fire Officer or any member of the Fire Force authorised by him in this behalf may enter any of the places specified in any notification for the purpose of determining whether precautions against fire required to be taken on such places have been so taken.

(2) Save as otherwise expressly provided in this Act, no claim shall lie against any person for compensation for any damage necessarily caused by any entry made under sub-section (1).

31. Consumption of water.—No charge shall be made by any local authority for water consumed in fire fighting operations by the Fire Force.

32. No compensation for interruption of water supply.—No authority in charge of water supply in an area shall be liable to claim for compensation for damage by reason of any interruption of supply of water occasioned only by compliance of such authority with the requirement specified in clause (d) of section 10.

33. Police Officers to aid.—It shall be the duty of the Police Officers of all ranks to aid the members of the Fire Force in discharging their duties under the Act.

34. Indemnity.—No suit, prosecution or other legal proceedings shall lie against any person for anything which is in good faith done or intended to be done in pursuance of this Act or any rule or order made thereunder.

35. Powers to make Rules.—(1) The Administrator may, by notification in the Official Gazette, make rules for carrying out the purposes of this Act.

(2) In particular and without prejudice to the generality of the foregoing powers, such rules may provide for :—

- (a) the number and grade of Officers and members of the Fire Force;
- (b) the manner of appointment of members of the Fire Force;
- (c) the form of the certificate to be issued to the members of the Fire Force;
- (d) the conditions of service of the members of the Fire Force including their ranks, pay and allowances, hours of duty and leave, maintenance of discipline and removal from Service;
- (e) the circumstances in which and the conditions subject to which members of the Fire Force may be despatched to carry on fire fighting operations in neighbouring areas beyond the limits of the area in which this Act is in force;

- (f) the conditions to which members of the Fire Force may be employed on rescue, salvage or other works;
- (g) the manner of service of notice under this Act;
- (h) the payment of reward or compensation to persons, not being members of the Fire Force, who render services under clause (d) or clause (e) of section 9;
- (i) the compensation payable to members of the Fire Force in case of accidents or to their dependents in case of death while engaged on duty;
- (j) for the employment of the Fire Force or use of any equipment outside the area or on special services; and
- (k) any other matter which is to be or may be prescribed.

[No. U-11015/2/87-UTL]
ASHOK NATH, Jt. Secy.

